RAJYA SABHA

Friday, the 13th March, 1992,/ 23 *Phalguna,* 1913 *(Saka)*

The House met at eleven of the clock, Mr. Chairman in the Chair.

OBITUARY REFERENCE

MR. CHAIRMAN-. Hon. Members, I refer with profound sorrow to the passing away of Shri Chakrapani Shukla, a former Member of the Rajya Sabha from the State of Madhya Pradesh.

Shri Chakrapani Shukla, who led a life of simplicity and service, passed away on 10th March, 1992, at the age of 76 years. A veteran freedom, fighter, Shri Shukla, actively participated in the country's struggle for independence since his college days.

Born at Baloda Bazar in District Raipur of Madhya Pradesh in April 1916, Shri Shukla had his higher education at Ewing Christian College, Allahabad. A cultivator by vocation, he dedicated himself to the upliftment of peasants and agricultural labour. He was associated with several local bodies as Chairman. Shri Shukla had special interest in the spread of education and was actively connected with several educational organizations.

Shri Shukla had along and active parliamentary career starting with the membership of the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 1957 to 1966, and thereafter of this House from 1966 to 1970 and again from 1970 to 1976. During his membership of this House he espoused the cause of the working class and toiling masses and took keep interest in educational matters.

We deeply mourn the passing away of Shri Chakrapani Shukla.

I request Members to rise in their places and observe silence as a mark of respect to the memory of the departed.

(Hon. Members then stood in silence for one minute)

MR. CHAIRMAN: Secretary-General will convey to the members of the bereaved family our sense of profound sorrow and deep sympathy.

Question No. 241.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Composite Model Schools

*241. SHRI SHANTI TYAGI: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Delhi Administration has decided to convert secondary and senior secondary schools into composite Model schools; and

(b) if so, the details in this regard?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH)- (a) and (b) Yes Sir. Delhi Administration has decided to convert 550 existing secondary and senior secondary schools into composite Model schools during the 8th Five Year Plan. At present there are 72 composite Model schools functioning under them in various parts of Delhi viz.; 21 in North Distt., 14 in East Distt, 7 in Central Distt., 13 in South Distt. and 17 in West Distt.

For the Eighth Five Year Plan, Delhi Administration envisages new(composite Model schools as follows:—

1992.93	120
1993-94	100
1994-95	105
1995-96	110
1996.97	115

श्री शांति त्यागी : माननीय सभापति जी, सरकार ने मिले-जुले कंपोजिट माडल स्कूल्ज़ बनाने का यह उद्देश्य बताया है कि उनमें इंग्लिश और हिन्दी मीडियम में बड़े ऊंचे स्टैंडर्ड की तालीम दी जाएगी। मेरे विचार में आने वाली पीढ़ियों के लिए खाली लैंग्वेज़ की तालीम काफी नहीं है। सभापति जी, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इन माडल स्कूल्ज़ में आप वोकेशनल ट्रेनिंग जैसे कंप्यूटर ट्रेनिंग आदि की भी व्यवस्था करेंगे?

मान्यवर, इस पर और जोर दूं कि माननीय प्रधान मंत्री जी ने इस बात की घोषणा की है कि देश में जो नवोदय विद्यालय चल रहे हैं, उनमें भी वह वोकेशनल ट्रेनिंग इंट्रोड्यूस करने का विचार रखते हैं, वह आप करेंगे? इसके साथ ही मैं यह भी जानना चाहूंगा कि मॉडल स्कूल्स में जो लोअर क्लासेज या कमजोर वर्गों के बच्चे हैं, उनके दाखिले होंगे इसकी गारंटी क्या माननीय मंत्रीजी देंगे?

श्री अर्जुन सिंह : सभापति महोदय, इन स्कूल्स के पीछे उद्देश्य यही है कि जिस प्रकार की शिक्षा कई निजी स्कूलों में दी जाती है, जिन्हें कि एक स्टैंडर्ड का बनाकर रखा जाता है, उसी प्रकार की शिक्षा इनमें भी दी जाये और केवल भाषा का ही स्वाल नहीं है जितने भी ऐसे सब्जैक्ट्स हैं या जितने भी ऐसे कार्यक्रम हैं जिनसे कि आज के समय में छात्रों को लाभांवित होना चाहिए, चाहे वह कंप्यूटर हो या और भी कोई स्पेशलाइज्ड कोर्सेज हों, सभी का समावेश यहां किया जाये।

श्री शांति त्यागी : कमजोर वर्गों के बच्चों के प्रवेश का प्रश्न रह गया।

श्री अर्जुन सिंह : सभापति महोदय, प्रवेश के बारे में चूंकि काफी प्रेसर प्रवेश का रहता है, इसलिए इन स्कूलों में प्रवेश का फैसला अभी दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन ने 'बाय लाट्स" किया है, बाय ड्राइंग ऑफ लाट्स किया है।

श्री शांति त्यागी : मान्यवर, आपकी आज्ञा से एक छोटा प्रश्न और कर रहा हूं। क्या मंत्री जी यह विचार करेंगे कि देश के अन्य भागों में भी, खाली राजधानी में नहीं ऐसे कंपोजिट मॉडल स्कूल्स खोले जाएं? ऐसा आश्वासन देंगे?

श्री अर्जुन सिंह : सभापति महोदय, मैं समझता हूं कि यह प्रयोग सफल हो रहा है और सफल आगे भी होगा। बाकी राज्यों में राज्य सरकारें इस तरह के स्कूल्स खोलना चाहें तो उसका स्वागत ही होगा, लेकिन उनकी तरफ से मैं कैसे कोई आश्वासन दे सकता हूं।

SHRI RAJ MOHAN GANDHI: Mr. Chairman, Sir, will the hon. Minister be good enough to tell the House (a) what plans the Government has for improving the quality of training of teachers in these new Model schools, and (b) what plans the Government has of associating the parents of the children of these schools to improve the over-all quality of education in these schools?

SHRI ARJUN SINGH: Sir, the teachers' training programme is a separate programme of the Depar-ment, and there cannot be any special orientation for the composite Model schools as such. But the training of the teachers under well-defined plan of action is already under way. And I am sure that will suffice for these schools also. So far as involving the parents is concerned, the schools will be evolving methodologies to involve the parents which is a desirable thing today everywhere. But that is not happening because of certain constraints. But, I am sure, the suggestion, made by the hon. Member would be kept in view.

SHRI RAJ MOHAN GANDHI: Sir, if I may just add, on the first part of my question...

श्री सभापति : उन्होंने जवाब तो दे दिया है।

श्री राज मोहन गान्धी : जवाब दिया है कि जो स्टेंडर्ड ट्रेनिंग है वही चलेगी। में सिर्फ यह निवेदन करना चाहता हूं, अगर आप मुझे अनुमति दें तो कि जब यह मॉडल स्कूल्स बनाने की योजना चल रही है तो मॉडल टीचर्स भी बनाने की नयी कोशिश करेंगे ? यह मेरा एक सुझाव है।

श्री अर्जुन सिंह : शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिये माननीय सदस्य के जितने विचार होंगे, उनका स्वागत है।

SHRI V. NARAYANASAMY; Mr. Chairman, Sir, the hon. Minister has stated that about 550 existing seconds, ry and higher secondary schools would be taken as composite Model schools. Sir, in our country, we find tint in rural areas....

MR. CHAIRMAN. You come to the question. Everybody knows that...

SHRI V. NARAYANASAMY: I am coming to the question. I would like to say something as a prelude. Sir, in the urban areas, a lot of private institutions are there. And the persons are capable of giving education to the children in private schools also which have the expertise. Therefore, I would like to know from the hon. Minister when he is implementing it in the 8th Five Year Plan, whether thrust will be given to rural areas and such model schools will be started in the initial stage in the rural areas giving importance to rural areas,

MR. CHAIRMAN: He is asking whe. ther you will give special importance to rural areas in Delhi.

SHRI ARJUN SINGH. As a matter if even at the moment, out of these 72 schools, 11 are in rural areas and 1 are in the resettlement colonies and while we are trying to decide loca-ion of other schools that will be open. d. we shall keep hon. Member's sug-estion in mind.

श्रीमती सरला माहेश्वरी : माननीय सभापति महोदय, मंत्री महोदय के जवाब से यह स्पष्ट है कि सन् 1986 की शिक्षा नीति की अवधारणा को फिर से अपनाने जा रहे हैं, जबकि यह सच है कि राममूर्ति कमेटी ने इन मॉडल-स्कूलों की अवधारणा के विरुद्ध अपनी असहमति जाहिर की थी और उन्होंने कहा था कि वह मॉडल-स्कूल कुलीन-तंत्र के हितों को ही साध रहे हैं, तो मैं यह जानना चाहती हूं कि फिर से इन मॉडल-स्कूलों की स्थापना करके आप इन मॉडल-स्कूलों में आम जनता के हित में किस तरह इस्तेमाल करेंगे ? इसी के साथ मेरे प्रश्न का दूसरा भाग यह है कि आपने क्या ऐसा भी कोई निर्णय लिया है कि अभी जो मौजूदा स्कूल हैं उन्हीं स्कूलों को आप मॉडल-स्कूलों के रूप में परिवर्तित कर देंगे ? और, यदि ऐसा है तो इसके लिए क्या प्रक्रिया है? इसके साथ ही मैं यह भी जानना चाहती हूं कि इन स्कूलों में फीस का न्यूनतम हिस्सा लागू करने के लिए कोई मानदण्ड या शर्त लगा रहे हैं या नहीं ?

श्री अर्जुन सिंह : सभापति महोदय, मैं इस अवधारणा को स्पष्ट करना चाहता हूं, जो माननीय सदस्या ने कहा कि यह केवल कुलीन व्यक्तियों के लिए स्कूल बनाए जा रहे हैं, यह तथ्य के विपरीत है क्योंकि यह स्कूल तो वह स्कूल हैं, जो सारी कम्युनिटि के लिए खुले हैं और उन्हीं एरिया के लोगों के लिए ही मुख्य रूप मे प्रवेश का इंतजाम किया जा रहा है। उसमें कुलीन या गैर-कुलीन का सवाल ही नहीं उठता। जहां तक राममूर्ति कमेटी का सवाल है, इसमें जहां तक मुझे जानकारी है, राममूर्ति कमेटी ने नवोदय विद्यालय के बारे में अपनी राय दी थी, इन स्कूलों के बारे में उनकी कमेटी की कोई राय नहीं है।

श्री सभापति : क्वैश्चन 242.